आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 08 लखनऊ, शुक्रवार 28 मई से 06 जून, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

ट्विटर को अभिव्यक्ति की आजादी की चिंता!

नई दिल्ली। माइक्रोब्लगिंग साइट ट्विटर ने भारत में अभिव्यक्ति की आजादी के खतरे में होने की चिंता जताई है। ट्विटर ने उसके अफिस में पुलिस भेजे जाने को डराने–ध मकाने की रणनीति कहा है। उसने भाजपा के एक प्रवक्ता के ट्विट में 'मैनिपुलेटेड मीडिया' का टैग लगाने के जवाब में 'पुलिस द्वारा डराने–धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल' पर चिंता जताते हुए कहा है कि वह भारत में कर्मचारियों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए संभावित खतरे के बारे में चिंतित है। अमेरिकी कंपनी ट्विटर ने इसके साथ ही यह भी कहा कि वह देश में अपनी सेवाएं जारी रखने के लिए भारत में लागू कानूनों का पालन करने की कोशिश करेगी। उसने कहा है कि वह आईटी नियमों के उन तत्वों में बदलाव की वकालत करने की योजना बना रहा है जो 'मुक्त और खुली सार्वजनिक बातचीत को रोकते हैं'। ट्विटर ने कहा है– फिलहाल, हम भारत में अपने कर्मचारियों के संबंध में हालिया घटनाओं और अपने उपयोगकर्ताओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के

लिए संभावित खतरे से चिंतित हैं। ट्विटर के प्रवक्ता ने कहा है– भारत और दुनिया भर में नागरिक समाज के कई लोगों के साथ ही हम पुलिस द्वारा धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल से चिंतित हैं। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी कानून के दायरे में रह कर पारदर्शिता के सिद्धांतों, हर आवाज को सशक्त बनाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गोपनीयता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस के विशेष शाखा ने सोमवार को कांग्रेस के कथित कोविड टूलकिट के बारे में एक शिकायत की जांच के संबंध में ट्विटर इंडिया को नोटिस भेजा था। उसके बाद दिल्ली के लाडो सराय और गुरुग्राम में ट्विटर के दफ्तरों पर पुलिस की दो टीमें भी पहुंची थीं। उससे पहले कंपनी ने भाजपा के प्रवक्ता सहित कई नेताओं के ट्विट्स को मैनिपुलेटेड मीडिया का टैग दिया था। इन नेताओं ने एक टूलकिट साझा करते हुए कहा था कि यह कांग्रेस ने तैयार किया है। लेकिन फैक्ट चेक करन वाली वेबसाइट्स ने इसे फर्जी कहा था। इस बीच कांग्रेस ने ट्विटर को चिट्ठी लिख कर ११ मंत्रियों के ट्विट को भी मैनिपुलेटेड मीडिया का टैग देने की मांग की है।

स्वस्थ गर्भवती महिला ने दिया कोरोना संक्रमित बच्चे को जन्म

नई दिल्ली। दुनिया में कोरोना संक्रमण को लेकर हर रोज नई–नई बातें सामने आ रही हैं. ऐसे में भारत में कोरोना महामारी के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे देखकर बड़े–बड़े डॉक्टर्स और वैज्ञानिक भी दंग रह गए हैं. अभी तक किसी भी गर्भवती महिला ने कोरोना संक्रमित बच्चे को जन्म नहीं दिया है. गर्भवती खुद कोरोना संक्रमित हो, लेकिन उससे होने वाला बच्चा अभी तक कोरोना संक्रमित नहीं पाया गया है, लेकिन वाराणसी में एक स्वस्थ गर्भवती महिला ने कोरोना पॉजिटिव बच्चे को जन्म देकर पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया है. ऐसा माना जा रहा है कि ये दुनिया में शायद इस तरह का पहला मामला है. इस दुर्लभ कोरोना के केस को लेकर बीएचयू के चिकित्सक और वैज्ञानिक भी दंग रह गए हैं और अब एक बार फिर से जांच करने की बात कही है. ये हैरानी भरा मामला वाराणसी के बीएचयू में स्थित सर सुंदरलाल हॉस्पिटल से सामने आया है. यहां चंदौली की रहने वाली एक महिला सुप्रिया प्रजापति ने कोरोना संक्रमित बच्चे को जन्म देकर सभी को हैरान कर दिया है. २४ मई को सुप्रिया को बीएचयू में भर्ती कराया गया था तब महिला की रिपोर्ट कोरोना निगेटिव आई थी. २५ मई को सुप्रिया ने एक बच्चे को जन्म दिया. जन्म के बाद बच्चे की जांच की गई तो बच्चा कोरोना पजिटिव निकला. इस खबर के बाद पूरे अस्पताल में ये केस चर्चा का विषय बन गया.महिला के इस केस ने बड़े–बड़े डॉक्टर्स को भी हैरानी में डाल दिया है आखिर ऐसा कैसे हो सकता है. हालांकि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं. लेकिन एक बार फिर से बच्चे की कोरोना जांच की जाएगी. जिसके बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

पोस्ट कोविड मरीजों को सभी मेडिकल कॉलेजों में मिलेगा मुफ्त इलाज

लखनऊ। यूपी सरकार की तरफ से उन मरीजों को मुफ्त में इलाज दिया जाएगा जिन्होंने कोरोना पर तो जीत दर्ज कर ली है लेकिन वे फिर भी पोस्ट कोविड ट्रीटमेंट के लिए मेडिकल कलेज में भर्ती हैं। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने बताया है कि सरकार का ये कदम कई लोगों की जिंदगी आसान बना सकता है क्योंकि अभी कोरोना के मामले जरूर कम हो रहे हैं, लेकिन पोस्ट कोविड जो मरीजों को दिक्कतें आ रही हैं, उनका इलाज एक

बड़ी चुनौती है। उसे देखते हुए सरकार की तरफ से पोस्ट कोविड ट्रीटमेंट को फ्री कर देना एक बड़ा फैसला है। उत्तर प्रदेश अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि यूपी में आज पॉजिटिविटी दर घटकर एक फीसदी से भी कम हो गई है। पिछले सालभर का औसत पॉजिटिविटी रेट ३.५ फीसदी रह गई है। यूपी में बीते २४ घंटे में कोरोना के ३,३७१ नए मामले आए हैं। सक्रिय मामलों की संख्या ६२,२७१ रह गई है जो हमारे पीक (३,१०,७८३) से ८० फीसदी तक घट गया है।

यूपी अगले छह महीने तक सरकारी विभागों के कर्मचारी नहीं कर सकेंगे हड़ताल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की सरकारी सेवाओं में छह महीने तक हड़ताल पर रोक लगा दी है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अपर मुख्य सचिव कार्मिक मुकुल सिंघल ने इस संबंध ा में अधिसूचना जारी कर दी है।अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि राज्य के कार्यकलापों से संबंधित लोकसेवा, सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाध ीन किसी निगम के अधीन किसी सेवा तथा किसी स्थानीय प्राधिकरण के अधीन सेवा में छह माह के लिए हड़ताल पर रोक लगाई जाती है।

यास तूफान का असरः पूर्वी यूपी के २४ जिलों में आज और कल भारी बारिश के आसार, अलर्ट जारी

लखनऊ। पूर्वी यूपी के लगभग २४ जिलों में दो दिन गरज चमक के साथ भारी बारिश की संभावना

है। बारिश के साथ यहां ५० से ६० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने २८ और २९ मई को इन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। पश्चिम बंगाल से उठे चक्रवात यास के कारण इन जिलों में भारी बारिश के साथ तूफान आने की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, एसके नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, अयोध या, सुल्तानपुर, जौनपुर, प्रतापगढ़, एसआर नगर, मिर्जापुर के आस–पास के क्षेत्रों में ५० से ६० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और गरज चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है।

यूपी में १८८ और लोगों की मौत, ३२७८ नए मरीज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटों के दौरान कोविड–१९ संक्रमित १८८ और लोगों की मौत हो गई तथा ३२७८ नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। आधि ाकारिक सूत्रों ने बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में कोविड–१९ संक्रमित १८८ और लोगों की मौत के साथ राज्य में इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर १९९०० हो गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में ३२७८ नए मरीजों में कोविड–१९ संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि ६९९५ मरीज ठीक हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत ९५.४ हो गया है और ३० अप्रैल के बाद से अब तक राज्य में उपचाराध ीन मामलों की संख्या में ८१.२९: की गिरावट आई है। अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि इस वक्त प्रदेश में कोविड–१९ संक्रमित ५८२७० मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जिनमें से ३४५०८ मरीज घर में अलग रहकर इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में तीन लाख ४५ हजार से ज्यादा नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक कोविड–१९ टीके की एक करोड़ ७० लाख से ज्यादा खुराक लगाई जा चुकी हैं।

सम्पादकीय

दुनिया ने अपनी आंखों से सच देख

दिल्ली पुलिस ने ट्विटर के गुरुग्राम और दिल्ली स्थित दफ्तरों पर दस्तक दी। वजह सबको मालूम है। भारत सरकार चाहती है कि ट्विटर और विदेशों से संचालित तमाम सोशल मीडिया प्लैटफर्म उसी तरह चलें, जैसाकि उसने देसी मीडिया को चलने के लिए प्रेरित या मजबूर कर रखा है। यानी वे एकतरफा संदेश फैलाएं। वे वही प्रसारित करें, जो सरकार चाहती है और जो भी मन में सवाल है उन्हें वे विपक्ष से पूछें। इस तरह प्रधानमंत्री और सत्ताधारी दल की छवि निर्माण में वे सहायक बनें। ट्विटर ने भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा के एक ट्वीट को 'मैनिपुलेटेड मीडिया' यानी ऐसी बात घोषित किया था जिसमें तथ्यों को तोड़ा–मरोड़ा गया। पात्रा और कई दूसरे भाजपा नेताओं ने कुछ दस्तावेजों को कांग्रेस पार्टी की 'टूल किट' बताते हुए सोशल मीडिया पर साझा किया था। उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस ने कोरोना महामारी को संभालने में बदइंतजामी की बात फैला कर मोदी सरकार को बदनाम करने की साजिश रची।कांग्रेस ने इस बारे में ट्विटर से शिकायत की थी और दावा किया था कि ये दस्तावेज फर्जी हैं। तथ्यों की जांच करने वाली एक स्वयंसेवी एजेंसी ने कांग्रेस के दावे को सच बताया। उसके बाद ट्विटर ने इस पोस्ट को 'मैनिपुलेटेड मीडिया' के रूप में टैग कर दिया था। इसी मामले में दिल्ली पुलिस ट्विटर के दफ्तरों में जाकर उसे नोटिस थमा दिया। जाहिर है, पुलिस को इसके लिए निर्देश कहीं ऊपर से मिला होगा। बहरहाल, जो लोग ऊपर बैठे हैं, उन्हें अगर ऐसा लगता है कि सरकार की आज जो छवि बिगड़ी है, वह किसी साजिश का परिणाम तो इस पर यही कहा जाएगा कि उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। जब लाशें नदी में तैर रही हों और उसकी तस्वीरें दुनिया भर में सर्कुलेट हो रही हों, तो बदइंतजामी की बात बताने के लिए किसी साजिश की जरूरत है, इसे कोई शुतुरमुर्गी सोच का व्यक्ति ही सोच सकता है। बेशक टूलकिट जैसी बातें फैला कर सत्ताधारी जमात उनमें से बहुत से लोगों को भ्रमित रखते हुए अपने पक्ष में गोलबंद रख सकता है, जिन्हें इस महामारी के दौरान निजी क्षति ना हुई हो और जो सांप्रदायिक नफरत की भावना में विवेक खो चुके हों। लेकिन बाकी दुनिया ने अपनी आंखों से सच देखा है।

मेदांता और चन्दन हॉस्पिटल के खिलाफ डीएम ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ। कोविड रोगियों के उपचार के लिए अधिक वसूली, इलाज में लापरवाही व अनियमितता बरतने वाले हॉस्पिटल पर नोडल अधिकारी डॉ. रोशन जैकब ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ओवर

प्राइसिंग व उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायतों के आधार पर स्वयं मेरे द्वारा और डॉक्टरों व मजिस्ट्रेट की टीमों के द्वारा लगातार निरीक्षण किये जा रहे हैं। जांच के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अस्पतालों पर एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही भी की गई है। आज भी कुछ हॉस्पिटलों के बारें में अधिक वसूली व लापरवाही के संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि मेदांता हस्पिटल लखनऊ की घोर लापरवाही, अदूरदर्शिता के कारण कोविड मरीज का उपचार आईएलडी नामक बीमारी समझकर करने से रोगी की मृत्यु हो गई। जिसके सम्बन्ध में नोडल अधिकारी द्वारा उक्त प्रकरण की जांच पैंडेमिक पब्लिक ग्रीवांस कमेटी के द्वारा कराते हुए विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि हॉस्पिटल लखनऊ द्वारा घोर लापरवाही, अनियमितता तथा १८ से २० लाख रुपये कोविड उपचार के लिए वसूले गए। शिकायतकर्ता द्वारा हस्पिटल के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई। जिसके सम्बन्ध में नोडल अधिकारी द्वारा उक्त प्रकरण की जांच पैंडेमिक पब्लिक ग्रीवांस कमेटी के द्वारा कराते हुए विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सरकार की प्रशासनिक अक्षमता और घोर लापरवाही के चलते पीड़ितों का नहीं हो पा रहा ठीक से इलाज : अखिले

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। अखिलेश ने कहा है कि

सरकार की प्रशासनिक अक्षमता और घोर लापरवाही के चलते न तो पीड़ितों का इलाज ठीक से हो पा रहा है और न ही सम्मान के साथ अंतिम संस्कार। केवल फाइलों में ही लोगों को राहत दी जा रही है। इधर महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि लोगों का गुजारा नहीं हो पा रहा है। रोज कमाने वालों की हालत बिगड़ती जा रही है।पशुपालकों के सामने चारे की समस्या खड़ी हो गई है। होटल, रेस्त्रां, चाय की दुकानें बंद होने से दूध की खपत कम हो गई है। रोजगार, कारोबार तबाह होने से लघु–मध्यम उद्योगों में लगे कर्मचारियों की छंटनी भी होने लगी है। दिहाड़ी मजदूर को कहीं काम नहीं मिल रहा है। किताब–कापी के व्यापारी स्कूल बंदी के शिकार हैं। बाराबंकी में पावरलूम ठप है। बरेली में फुटवियर कारोबारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो हालात बद से बदतर हैं ही। इस आपदाकाल में गरीब, मजदूर और छोटे व्यापारी ठेली पटरी वाले सबसे ज्यादा त्रस्त हैं। रोज कमाने वालों की हालत बिगड़ती जा रही है। जमीनी हकीकत यह है कि फाइलों में ही राहत बंट रही है। इधर एक महीने में ही खाद्य वस्तुओं के दाम सातवें आसमान पर पहुंच गए हैं। तेल, रिफाइंड, सब्जी के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। पेट्रोल डीजल के साथ रसोई गैस के दाम भी बढ़े हैं। घरेलू अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है।

सिद्धार्थ विवि ने बेसिक शिक्षा मंत्री के भाई अरूण द्विवेदी की नियुक्ति के मामले की रिपोर्ट राजभवन को सौंपी

लखनऊ। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने बेसिक शिक्षा मंत्री के भाई अरूण द्विवेदी की नियुक्ति के मामले में राजभवन को रिपोर्ट सौंप दी है। कुलपति प्रो. सरेंद्र दुबे ने भाई की नियुक्ति को लेकर अपना जवाब दे दिया है। बता दें कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी व सोशल एक्टीविस्ट नूतन ठाकुर की शिकायत पर राजभवन ने जवाब तलब किया था। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र दुबे ने बताया कि राजभवन की ओर से अपर मुख्य सचिव महेश गुप्ता ने उनसे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी व सोशल एक्टीविस्ट नूतन ठाकुर की शिकायत पर जवाब मांगा था। उनका कहना है कि बेसिक शिक्षा मंत्री के भाई अरूण द्विवेदी की नियुक्ति को लेकर जो भी जवाब था, उसका विवरण दे दिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद की नियुक्ति के लिए आवेदन नवम्बर २०१६ को मांगा गया था और आवेदन

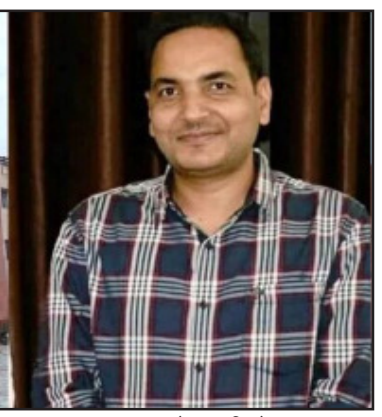

करने की अंतिम तिथि ३१ दिसम्बर २०१६ निर्धारित की गई थी। प्रो. दुबे का कहना है कि यह सामान्य प्रक्रिया है कि जब कोई अभ्यर्थी नौकरी पाता है तो उसके दस्तावेज १०वीं से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट व जाति, आय आदि जो भी सर्टीफिकेट लगाए गए है, उनकी जांच होती है। ऐसे में उनके दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। बता दें कि डीएम सिद्धार्थ नगर दीपक मीणा ने पूर्व में ही बता दिया है कि अरूण द्विवेदी का ईडब्ल्यूएस सर्टीफिकेट २६ नवम्बर २०१६ को बना है और तहसीलदार की ओर से समस्त तथ्यों को जांच परखकर जारी किया गया है।

यूपी को मिली ब्लैक फंगस की दवा, इन आठ मंडल मुख्यालयों में होगा वितरण

लखनऊ। केंद्र सरकार ने प्रदेश को १२६० वायल एंफोटेरेसिन बी उपलब्ध कराया है। इससे विभिन्न अस्पतालों में भर्ती ब्लैक फंगस के मरीजों को राहत मिलेगी। शासन की ओर से दवा वितरण के लिए वाराणसी, लखनऊ, आगरा, मेरठ, झांसी, कानपुर, गोरखपुर, बरेली मंडल को दवा वितरण का मुख्य केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों से आस–पास के मंडल मुख्यालय को भी दवा उपलब्ध कराई जाएगी। मंडल मुख्यालयों से रेड क्रस सोसाइटी के जरिए वितरण की व्यवस्था बनाई गई है। ब्लैक फंगस से गाजियाबाद में एक और लखनऊ में दो मरीजों की मौत उत्तर प्रदेश में ब्लैक फंगस से तीन और मरीजों की मौत हो गई। ये मौतें गाजियाबाद और लखनऊ में हुई हैं। मरने वाले तीन मरीजों में से एक कानपुर का रहने वाला था। वहीं गाजियाबाद का मरीज दिल्ली के अस्पताल में भर्ती था। गाजियाबाद में अब तक ब्लैक फंगस से २ लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने एक मरीज के मौत की पुष्टि की है। इधर ब्लैक फंगस के इलाज को लेकर दवाओं की अब भी किल्लत बनी है। गाजियाबाद के गरिमा गार्डन में रहने वाले ३२ वर्षीय देवेंद्र को ब्लैक फंगस की शिकायत पर अपोलो अस्पताल सरिता विहार, दिल्ली में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने अपरेशन भी किया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। देवेंद्र के तीन बच्चे हैं। वह ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। उनकी मां ने ही उसे तीन साल पहले किडनी दी थी।

योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की अटकलें तेज

लखनऊ। योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की अटकलें एक बार फिर तेज हो गईं हैं। विस्तार की अटकलों के पीछे की सबसे मजबूत कड़ी के रूप में गुजरात कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी व भाजपा के एमएलसी एके शर्मा बताए जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो इसमें तीन प्रकार की संभावनाएं दिख रही हैं। पहली, अकेले एके शर्मा को मजबूत दायित्व दिया जाएं। संभावना यह भी जताई जा रही कि पीएम मोदी के करीबी होने के नाते डिप्टी सीएम बनाया जाए। दूसरा एक छोटा विस्तार जिसमें कुछ अन्य को भी जगह मिले और तीसरा विस्तार का न होना भी हो सकता है। सरकारी सेवा से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के समय से ही एके शर्मा के योगी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा का झंडा पकड़ने के बाद पंचायत चुनाव और फिर कोरोना की दूसरी लहर आ गयी। वायरस का प्रकोप बढ़ता गया। राज्य की परिस्थितियां बिगड़ गयीं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी कोविड की चपेट में पूरी तरह से आ गया। सूत्र बताते हैं कि वाराणसी में कोविड प्रबंधन के लिए पीएमओ की तरफ से एमएलसी एके शर्मा को लगाया गया। पूर्व ब्यूरोक्रेट के अनुभवों का लाभ वाराणसी को ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों को भी मिला। वाराणसी की स्थितियां बेहतर हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी मडल

की खूब सराहना की। इस सब के बाद एके शर्मा की मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात किया। उसके तुरंत बाद बीते रविवार को प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल के बीच उत्तर प्रदेश को लेकर मंथन किया गया। केंद्रीय नेतृत्व के मंथन के बाद से विस्तार को लेकर चर्चाओं का बाजार और गर्मा गया। जानकार बताते हैं मौजूदा समय में तीन परिस्थितियां उत्पन्न हो रहीं हैं। पहली, डिप्टी सीएम के पद पर इनकी तैनाती की जाएं या फिर एक छोटा मंत्रिमंडल विस्तार किया जाए जिसमें कुछ और लोगों को शामिल किया जाए। दूसरा, केवल एके शर्मा को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए और उन्हें प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने की जिम्मेदारी दी जाए। तीसरा मंत्रिमंडल विस्तार किए बगैर एके शर्मा को इस तरह की जिम्मेदारी दी जाए। जानकारों के अनुसार, चर्चा इस बात पर भी हो रही है कि प्रदेश में दो डिप्टी सीएम ही रखे जाएंगे या फिर तीन किए जाएंगे। इसको लेकर भी उच्च स्तर पर भी संगठन में मंथन चल रहा है लेकिन अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। यह भी कहा जा रहा है कि एक जून या जून के शुरूआती सप्ताह में ही मंत्रिमंडल का विस्तार या एके शर्मा को लेकर बड़ा निर्णय हो सकता है। फिलहाल बीते रविवार की बैठक के बाद से प्रदेश में सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी के भाई ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश द्विवेदी के भाई डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी ने सिद्धार्थ विश्व विद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से इस्तीफा दे दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। उन्होंने बताया कि अरूण द्विवेदी ने इस्तीफे में लिखा है कि मैं व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहा हूं। बता दें कि सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय में मंत्री के भाई की नियुक्ति अल्पआय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटे से हुई थी। विवादों में घिरने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। डॉ. सतीश द्विवेदी के भाई डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी पर आरोप है कि उन्होंने अपनी पत्नी के भी नौकरी में रहते हुए और उन्हें करीब ७० हजार रुपये मासिक से ज्यादा वेतन मिलते हुए गलत ढंग से ईडब्लूएस सर्टिफिकेट हासिल किया था। डॉ. अरुण भी पूर्व में वनस्थली विश्वविद्यालय में नौकरी करते थे। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने बेसिक शिक्षा मंत्री के भाई अरूण द्विवेदी की नियुक्ति के मामले में राजभवन को रिपोर्ट सौंप दी है। कुलपति प्रो. सरेंद्र दुबे ने भाई की नियुक्ति को लेकर अपना जवाब दे दिया है। बता दें कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी व सोशल एक्टीविस्ट नूतन ठाकुर की शिकायत पर

राजभवन ने जवाब तलब किया था। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र दुबे ने बताया कि राजभवन की ओर से अपर मुख्य सचिव महेश गुप्ता ने उनसे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी व सोशल एक्टीविस्ट नूतन ठाकुर की शिकायत पर जवाब मांगा था। उनका कहना है कि बेसिक शिक्षा मंत्री के भाई अरूण द्विवेदी की नियुक्ति को लेकर जो भी जवाब था, उसका विवरण दे दिया गया है।

लखनऊ में ब्लैक फंगस से आईआईटी छात्र समेत दो की मौत

लखनऊ। राजधानी में बुधवार को दो मरीजों की ब्लैक फंगस से मौत हो गई है। इसमें कानपुर आईआईटी में अन्तरिक्ष विज्ञान में पीएचडी कर रहा छात्र भी शामिल है। छात्र को पिछले हफ्ते मंगलवार को पीजीआई में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना के साथ ब्लैक फंगस की चपेट में था। डक्टरों ने मरीज की जान बचाने के लिए अपरेशन किया। मंगलवार को इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गई। वहीं बिहार के ५५ वर्षीय पुरुष ने केजीएमयू में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। लखनऊ के अस्पतालों में ब्लैक फंगस मरीजों की संख्या २४० पहुंच गई है। अब तक २१ मरीज दम तोड़ चुके हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लखनऊ के अस्पतालों में मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। मंगलवार को १५ नए मरीज भर्ती किए गए हैं। केजीएमयू में बीते २४ घंटे में १० मरीज भर्ती किए गए। अब तक केजीएमयू में १५६ मरीज भर्ती किए जा चुके हैं। पीजीआई में तीन नए मरीज भर्ती किए गए हैं। इसके साथ ही पीजीआई में मरीजों की संख्या २७ हो गई है। इंदिरानगर स्थित सीएनएस हस्पिटल में दो मरीजों को भर्ती किया गया है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक ब्लैक फंगस के मरीजों की जान बचाने के लिए डक्टरों की टीम लगातार अपरेशन कर रही है। १६ मरीजों के अपरेशन किए गए हैं। ईएनटी, नेत्र समेत दूसरे विभाग की डक्टर मरीजों के अपरेशन कर रहे हैं। ६० से ज्यादा मरीजों के अपरेशन किए जा चुके।

घरों को निशाना बनाने वाले चोर चढ़े पीजीआई पुलिस के हत्थे

लखनऊ। कोतवाली पीजीआई पुलिस ने वाहनों की चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवकों को थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन सेक्टर पांच से किया गया गिरफ्तार।जिनके पास से पुलिस को घरेलू सामान जैसे डीवीडी व साउंड प्लेयर, चार मोबाइल फोन के साथ ही सोने और चांदी से बने आभूषण बरामद हुए है।पीजीआई कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कोतवाली पीजीआई क्षेत्र के सेक्टर पांच के मोड़ पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाश पर चेकिंग की जा रही थी, जिसमे दो पहिया वाहन सवार दो युवकों को रोका गया और तलाशी के दौरान पुलिस को चार दिन पूर्व इलाके में ही बंद पड़े मकान में चोरी किए गए सामान की बरामदगी हुई।पूछताछ में दोनो अभियुक्तों ने बताया की वो दोनो ने शातिर तरीके से मकान में घुस कर सामान को चुराया था और वो दोनो इसे बेचने के लिए जा रहे थे और बाकी का शेष सामान उन्होंने क्षेत्र के ही एक स्कूल के पास छुपाया है।पकड़े गए दोनो अभियुक्त ने अपनी निशानदेही में बताया शिवम यादव थाना असोहा उन्नाव और जसप्रीत सिंह थाना पीजीआई तेलीबाग का रहने वाला है फिलहाल पकड़े गए दोनो अभियुक्तों को पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया है।

सहकारिता विभाग में भर्ती घोटाले में नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लखनऊ। यूपी के सहकारिता विभाग में अलग–अलग विभागों में सपा शासन काल में हुई घनियुक्तियों के मामले में एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर ली है, और अब ६ एफआईआर दर्ज की गयी हैं। सपा शासन काल में २०१२ से २०१७ के बीच हुई भर्तियों के मामले में बड़ी गड़बड़ी शिकायत मिलने के बाद शासन ने के आदेश पर एसआईटी गठित की गयी थी। एफआईआर में उत्तर प्रदेश सहकारी संस्थागत सेवा मंडल के अध्यक्ष रहे रामजतन यादव व ओंकार यादव के साथ ही तत्कालीन सचिव, सदस्य, कंप्यूटर एजेंसी के प्रोपराइटर सहित नौ लोगों को नामजद किया गया है। सेवा मंडल के तत्कालीन सचिव व वर्तमान में यूपी को–आपरेटिव बैंक के प्रबंधक निदेशक भूपेंद्र कुमार विश्नोई भी नामजद किए गए हैं। जांच की आंच तत्कालीन सहकारिता मंत्री पर आना तय माना जा रहा है। वर्ष २०१७ में प्रदेश की भाजपा सरकार बनने पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की संस्था सहकार भारती ने सहकारिता की भर्तियों में घोटाले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच एसआईटी को सौंपी थी। एसआईटी ने सबसे पहले उ.प्र. को–आपरेटिव बैंक में सहायक प्रबंधक के ४६ पदों पर भर्तियों में की गई अनियमितताओं का खुलासा किया था।

शांति भंग मामले में पुलिस ने सात लोगो को भेजा न्यायिक हिरासत में

लखनऊ। लखनऊ बंथरा इलाके में पुलिस ने सात लोगो को शांति भंग मामले में पकड़कर न्यायिक हिरासत में भेजा है ।थाना बंथरा इलाके में पुलिस ने सात लोगो को शांति भंग मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा है । भेजे गए लोगो में बंथरा के हमीरपुर निवासी रहे राजेन्द्र पुत्र बाबादीन ,पवन पुत्र नंदलाल , खांदे देव निवासी ,राजकुमार पुत्र त्रिलोकी, निवा निवासी राजेश चौरसिया पुत्र स्वर्गीय हीरालाल व मनोज ,बंथरा निवासी राजेश कुमार पुत्र रमेश ,बंथरा के बलवंत खेड़ा निवासी कुलदीप यादव पुत्र स्वर्गीय जगदीश प्रसाद यादव , आदि लोगो द्वारा कई स्थानों पर शांति भंग करने व संगेय्य अपराध की भावना को देखते हुए १५१ सी आर पी सी के तहत जांचोपरांत इनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्य वाई की गई है ।जिन्हे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

वैक्सीन मिक्स, सरकार बेपरवाह!

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के एक अस्पताल में लापरवाही से लोगों को दो अलग अलग वैक्सीन की डोज लग गई है लेकिन भारत सरकार का कहना है– कोई बात नहीं, यह भी ठीक है। सरकार का यह रवैया हैरान करने वाला है। अभी तक दुनिया भर के देशों में इस बात पर शोध चल रहा है कि अगर किसी ने वैक्सीन की पहली डोज जिस कंपनी की ली है उसकी बजाय दूसरी कंपनी की दूसरी डोज ली जा सकती है या नहीं। लेकिन उससे पहले ही भारत में सरकार ने बिना किसी शोध के कह दिया कि इसमें कोई चिंता की बात नहीं है। गौरतलब है कि बुधवार को खबर आई थी कि उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में २० लोगों को पिछले महीने पहली डोज कोवीशील्ड की लगी थी और दूसरी डोज कोवैक्सीन की लगा दी गई है। इसके बाद हड़कंप मचा था और गांवों में लोग दहशत में थे। लेकिन गुरुवार को भारत सरकार ने कहा कि इस पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। नीति आयोग के सजस्य डॉ. वीके पॉल ने मंगलवार को कहा कि दोनों डोज अलग–अलग वैक्सीन की दिए जाने पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि अगली ही सांस में डॉ. वीके पॉल ने कहा– वैक्सीनेशन पर हमारा प्रोटोकॉल स्पष्ट है। दोनों डोज एक ही वैक्सीन की दी जाएंगी। अगर

अलग–अलग डोज दी गई हैं तो इसकी जांच की जाएगी। लेकिन अगर ऐसा हो भी गया है तो उस व्यक्ति को चिंता करने की जरूरत नही है। उन्होंने कहा– वैक्सीन की मिक्सिंग से कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। ये भी कहा जाता है कि अगर बदल कर वैक्सीन लगाओ, तो इम्यूनिटी ज्यादा होती है। हालांकि फिलहाल हम ऐसा नहीं देख रहे हैं। ऐसी कोई रिकमेंडेशन भी कहीं से नहीं आई है। अब सवाल है कि सरकार ऐसा कुछ नहीं देख रही है और अभी कोई रिकमेंडेशन भी नहीं आई है फिर इस गलती का बचाव करने की क्या जरूरत है? डॉक्टर पॉल ने आगे खुद कहा कि कुछ देशों में इसको लेकर जो हुआ है, वो सिर्फ ट्रायल के तौर पर हुआ है। ट्रायल में देखा जा रहा है कि वैक्सीन को मिक्स करें तो क्या फायदा होता है। भारत में इस समय वैक्सीन की बड़ी किल्लत चल रही है, लेकिन अगले एक–दो महीने में यह किल्लत खत्म हो सकती है। भारत में अगले महीने से रूसी वैक्सीन स्पुतनिक–वी के डोज लगने लगेंगे और उसके अगले महीने अमेरिकी कंपनी फाइजर की वैक्सीन भी आ सकती है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने गुरुवार को कहा कि सरकार फाइजर की वैक्सीन जल्दी से जल्दी भारत लाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक करोड़ डोज रोज लगाने की व्यवस्था कर रही है। अमेरिकी कंपनी फाइजर ने भारत सरकार से यह भी कहा है कि उसकी वैक्सीन १२ साल और इससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और बेहद असरदार है। कंपनी ने दावा किया कि यह वैक्सीन सबसे पहले भारत में मिले कोरोना के स्ट्रेन पर भी काफी हद तक प्रभावी है। कंपनी ने बताया कि वैक्सीन को दो से आठ डिग्री तापमान पर एक महीने तक स्टोर किया जा सकता है। फाइजर जुलाई से अक्टूबर २०२१ के बीच भारत को वैक्सीन के पांच करोड़ डोज देने के लिए तैयार है। हालांकि, इसके लिए उसने सरकार से नुकसान होने पर हर्जाना सहित कुछ अन्य छूट मांगी है। बताया जा रहा है कि फाइजर ने भारतीय अधिकारियों के साथ हाल ही में एक मीटिंग की। इस दौरान कंपनी ने वैक्सीन पर कई देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ के ट्रायल का डाटा पेश किए और भारत से कहा कि वह डब्लुएचओ के आंकड़ों पर भरोसे रखे। कंपनी ने कहा कि डब्लुएचओ के साथ साथ दुनिया के४४ देशों ने उसकी वैक्सीन को मंजूरी दी है और भारत को इस पर भरोसा करना चाहिए। बताया जा रहा है कि भारत में कोरोना वैक्सीन की मंजूरी में तेजी लाने के लिए कई मुद्दों पर सहमति बन गई है। कंपनी चाहती है कि टीकों की खरीद भारत सरकार करे, किसी तरह के नुकसान की भरपाई करे और वह ये भी चाहती है कि मंजूरी के बाद रिसर्च आदि के काम की भी मंजूरी मिले। जानकार सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार ने फाइजर की मांग पर विचार करने का भरोसा दिया है।

डिजिटल मीडिया को १५ दिन की डेडलाइन

नई दिल्ली। मनोरंजन के लिए ओवर द टॉप यानी ओटीटी प्लेटफर्म चला रही कंपनियों और सोशल मीडिया प्लेटफर्म चलाने वाली कंपनियों के साथ साथ भारत सरकार ने डिजिटल मीडिया पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सरकार ने सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफर्म्स के साथ साथ डिजिटल मीडिया को भी १५ दिन की समय सीमा देते हुए कहा है कि वे बताएं कि उन्होंने सरकार के नए दिशा–निर्देशों का पालन करने के लिए क्या किया है। सरकार ने डिजिटल मीडिया कंपनियों से कई तरह की जानकारी भी मांगी है। इससे न्यूज पोर्टल चलाने वालों को खासी परेशानी हो सकती है। बहरहाल, सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को डिजिटल मीडिया सहित ओटीटी प्लेटफर्म्स को १५ दिन की समय सीमा दी है। इसके तहत ऐसी कंपनियों को यह बताना होगा कि उन्होंने नए दिशा–निर्देशों को लेकर क्या किया है। गौरतलब है कि केंद्र की मोदी सरकार ने २५ फरवरी को सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफर्म्स के लिए नए दिशा–निर्देश जारी किए थे और नियमों को सख्त किया था।

सरकार ने फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सऐप जैसी सोशल मीडिया कंपनियों को नए दिशा–निर्देशों को लागू करने के लिए तीन महीने का समय दिया था। २५ मई को केंद्र सरकार की समय सीमा समाप्त हो गई है। अगर कंपनियां सरकार के दिशा–निर्देशों को नहीं मानती हैं तो उनके ऊपर भारत में प्रतिबंध का खतरा है। हालांकि फेसबुक और गूगल ने कहा है कि वे सरकार के दिशा–निर्देशों को मानने के लिए तैयार हैं। लेकिन टूलकिट विवाद में फंसे ट्विटर ने गुरुवार को कहा कि सरकार नए दिशा–निर्देशों को लागू करने के लिए तीन महीने का और समय दे। इस बीच व्हाट्सऐप ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।पहले भी नए नियमों को कई डिजिटल मीडिया की कई कंपनियों ने अलग–अलग हाई कोर्ट में चुनौती दे रखी है। उनकी याचिकाओं पर नोटिस भी जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि सूचना प्रसारण मंत्रालय ने डिजिटल मीडिया प्लेटफर्म को तीन श्रेणियों में बांटा है। पहली श्रेणी में न्यूज पेपर्स या टीवी के अलावा डिजिटल माध्यम में समाचार देने वाले परंपरागत कंपनियां हैं। दूसरी श्रेणी डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स की है और तीसरी श्रेणी में ओटीटी प्लेटफर्म्स हैं, जो डिजिटल माध्यम से मनोरंजन और दूसरी जानकारियां देते हैं। इन तीनों को अगले १५ दिन में कई तरह की जानकारियां देने को कहा गया है।

लक्षद्वीप के मुद्दे पर राहुल ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है और उनसे कहा है कि लक्षद्वीप में नियम–कानूनों में जो बदलाव किया जा रहा है उसे रोकने के लिए वे दखल दें। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे इस मामले में दखल दें और यह सुनिश्चित करें कि वहां के प्रशासक प्रफुल्ल खोड़ा पटेल के आदेशों को वापस लिया जाए।

गौरतलब है कि लक्षद्वीप के प्रशासक ने शराब की बिक्री पर से पाबंदी हटा दी है और गोमांस पर पाबंदी लगा दिया है। उन्होंने समुद्र तट पर बने मछुआरों की झोपड़ियां गिराने का भी आदेश दिया है। राहुल गांधी ने लक्षद्वीप में विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा है कि लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण नियमन का मसौदा इस बात का सबूत है कि प्रशासक की ओर से लक्षद्वीप की पारिस्थितिकी शुचिता और सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि वहां के लोगों को जमीन पर अधिकार की जो सुरक्षा मिली हुई है वह इस मसौदे से कमजोर हो रही है। राहुल ने लिखा है कि इससे लोगों के कानूनी अधिकार कम होते हैं। राहुल गांधी ने लिखा है– कुछ अल्पकालिक कारोबारी फायदों के लिए लक्षद्वीप में जीविका की सुरक्षा और सतत विकास की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने पंचायत नियमन के मसौदे का जिक्र करते हुए कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले सदस्यों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान पूरी तरह लोकतंत्र विरोधी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि असामाजिक गतिविधि रोकथाम कानून, लक्षद्वीप पशु संरक्षण कानून में बदलाव और शराब की बिक्री पर रोक हटाना लक्षद्वीप के स्थानीय समुदाय के सांसेंतिक और धार्मिक ताने–बाने पर हमला है। इससे पहले कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को चिट्ठी लिख कर लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल को वापस बुलाने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रपति से यह भी कहा है कि प्रफुल्ल खोड़ा पटेल के कार्यकाल में लिए गए फैसलों को रद्द किया जाए।

१८ लाख रुपए की कीमत में बिके दो खरबूजे

अलीगढ़। खरबूजा गर्मी के सीजन का सबसे बेहतरीन फल माना जाता है। इसलिए इसकी बिक्री भी जमकर होती है। इस साल जापान के उत्तरी होक्काइडो में इन खरबूजों की नीलामी की गई, जहां इन खरबूजों की इतनी ऊंची बोली लगी कि दुनियाभर के लोग हैरान रह गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूबारी नाम से फेमस दो खरबूजों को २७ लाख येन (१८,१६,७१२ लाख) में खरीदा गया है। इस नीलामी के आयोजकों ने कहा कि समान आकार वाले ये यूबारी खरबूजे अपनी बेहतरीन गुणवत्ता और मीठे स्वाद के लिए दुनियाभर में काफी प्रसिद्ध हैं। जापान में इस फल को सम्ध्मान के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इसलिए यहां के किसान फल के आकार को और देखने में सुंदरता को लेकर काफी सजग रहते हैं। अच्छे दाम के लिए खरबूजों को कई पैमानों पर खरा उतरना होता है।खरबूजे की इस खास किस्म को यूबारी किंग के नाम से जाना जाता है, जिसकी पैदावार जापान के यूबारी क्षेत्र में होती है।

1 जून को हो सकती है सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा की घोषणा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने पूरे देश में कोहराम मचा रखा है. इस बीमारी के चलते हर कोई परेशान है. कोरोना महामारी ने स्टूडेंट्स का फ्यूचर भी दांव पर लगा रखा है. स्कूल–कॉलेज सब बंद है. परीक्षा का समय चल रहा है लेकिन परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. पहले ही सीबीएसई और आईसीएसई की दसवीं की परीक्षा रद्द की जा चुकी है. इसके साथ ही कई राज्यों ने भी १०वीं बोर्ड की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है. सीबीएसई १०वीं कक्षा की परीक्षा रद्द होने के बाद अब सीबीएसई १२वीं बोर्ड एग्जाम को लेकर अनश्चितिता बनी हुई है. लेकिन इसी बीच खबर है कि सरकार सीबीएसई १२वीं बोर्ड की परीक्षा की तारीख की घोषणा जल्द करने जार रही है. सूत्रों की माने तो

शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल १ जून को कक्षा १२वीं बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा कर सकते हैं.खबरों के मुताबिक, १२वीं बोर्ड परीक्षा की अवधि को भी घटाया जा सकता है. जिसके अनुसार परीक्षा का समय डेढ़ घंटे से घटाकर आधे घंटे का किया जा सकता है. ऐसे में विद्यार्थियों को ३० मिनट में अपना पेपर पूरा करना होगा. इस परीक्षा में विद्यार्थियों से अब्जेक्टिव प्रश्न ही पूछे जाएंगे. गौरतलब है कि राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के साथ हुई बैठक के बाद, शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों से २५ मई तक केंद्र के प्रस्ताव पर लिखित प्रतिक्रिया मांगी थी. जिसमें अधिकांश राज्यों ने छोटे फर्मेट ही परीक्षा कराने पर सहमति जताई है. ऐसे में सरकार राज्यों की मांग के अनुसार ही छोटे फॉर्मेट में परीक्षा करवाने पर विचार कर रही है. वहीं इधर राजस्थान सरकार भी विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर काफी चिंतित नजर आ रही है. ऐसे में राज्य सरकार ने बोर्ड की १०वीं और १२वीं की परीक्षाओं को कराने के मूड में नजर आ रही है. राज्य के शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने साफतौर पर कहा है कि बोर्ड परीक्षाएं विद्यार्थी जीवन का टर्निंग पॉइंट है. ऐसे में कोरोना के चलते भले ही एक–दो महीने की देरी क्यों न हो जाए, परीक्षा तो कराएंगे. राज्य सरकार ने केन्द्र को अपने सुझाव देने के साथ राजस्थान माध्यमिक षिक्षा बोर्ड की १०वीं और १२वीं की परीक्षाओं के लिए नए सिरे से परीक्षा सेंटरों का आंकलन शुरू कर दिया है.

हाईट फंगस नें महिला के आंत में किया छेद, विश्व में पहला मामला

नई दिल्ली। पूरे देश में कोरोना के मामले कम होने खबर सामने आ रही है। लेकिन मौतों का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। कोरोना के मामले भले ही कम हो है लेकिन ब्लैक फंगस और व्हाईट फंगस के मामले बढ़ते ही जा रहे है। हाल ही में दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में व्हाइट फंगस का भयावह मामला देखने को मिला है। व्हाइट फंगस की वजह से एक महिला के छोटी आंत और बड़ी आंत में छेद हो गया है। अस्पताल का दावा किया है कि यह विश्व में पहला केस है। ४६ साल की महिला को पेट में दर्द और उल्टी की समस्या के बाद इसी महीने की १३ तारीख को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला कैंसर से पीड़ित थी और कुछ वक्त पहले ही उसकी कीमोथेरेपी भी हुई थी। जब अस्पताल में महिला का सीटी स्कैन किया गया, तो आंतों में छेद होने का पता चला। सर गंगा राम अस्पताल के मेट ऑफ सिवर, गैस्ट्रोएंटरोलजी एंड पैन्क्रिपाटिकोबितरी साइंसेज डिपार्टमेंट के डॉ. (प्रो.) अमित अरोड़ा ने बताया कि चार घंटे चली सर्जरी के बाद महिला की फूड पाइप, छोटी आंत और बड़ी आंत में हुए छेदों को बंद किया गया। इसके बाद ही द्रव्य लीक को भी रोका गया। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि स्टेरयइड के इस्तेमाल के बाद ब्लैक फंगस के द्वारा आंत में छेद होने के कुछ मामले हाल ही में सामने आए है। लेकिन व्हाइट फंगस द्वारा कोविड–१९ इन्फेक्शन के बाद खाने की नली, छोटी आंत एवं बड़ी आंत में छेद करने का मामला यह दुनिया में पहला है। इससे पहले व्हाइट फंगस का मामला पहना में देखने

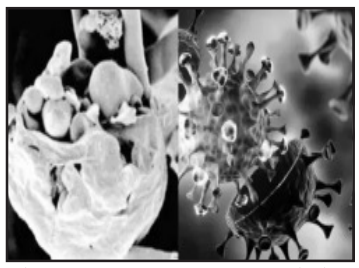

को मिला था। व्हाइट फंगस के देश में फिलहाल इतने अधिक मामले नहीं है। लेकिन धीरे–धीरे इनमें बढ़ोतरी हो रही है। ब्लैक फंगस के मामले तो सुनने को मिले है। ब्लैक फंगस मरीज के दिमाग में घुस गया जिसकी सर्जरी भी की गई लेकिन उसकी मौत हो गई। देश में कोरोना वायरस महामारी के साथ ब्लैक फंगस के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं और अब तक देशभर में ब्लैक फंगस के कुल मामलों की संख्या ११७१७ हो गई है। इसमें सबसे ज्यादा २८५६ मामले मामले गुजरात में सामने आए हैं। ११ राज्यों ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर दिया है। इसके साथ व्हाईट फंगस के मामले भी देखने को मिल रहे है।

शादी के बीच में हुई दुल्हन की मौत, कमरे में शव को रखकर छोटी बहन से कर दी शादी

इटावा। भारत में शादियों के दौरान अजीबोगरीब किस्से सुनने को मिल जाते हैं. ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के इटावा से भी सामने आया है. जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के इटावा में विवाह कार्यक्रम बड़ी शांति से आयोजित किया जा रहा था. शादी समारोह में उस समय उथल पुथल मच गई जब चलती शादी के दौरान ही अचानक दुल्हन बेहोश होकर गिर गई. दुल्हन के बेहोश हो जाने के बाद परिवार वाले आनन–फानन में उसे लेकर एक निजी अस्पताल चले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों के अनुसार दुल्हन की मौत का कारण हृदय की गति का रुक जाना था. इस घटना के बाद शादी समारोह में आए हुए सभी लोगों में मातम सा पसर गया. दोनों पक्षों के लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए. ऐसे में वधू पक्ष में वर पक्ष के सामने प्रस्ताव

रखा जिसे सभी ने मान भी लिया. वधू पक्ष की ओर से वर पक्ष को कहा गया कि वे बारात लेकर आए हैं तो खाली हाथ ना लौटें. उन्होंने दुल्हन की छोटी बहन से दूल्हे की शादी करने का प्रपोजल दिया जो लड़के वालों ने स्वीकार भी कर लिया. इसके बाद जिस मंडप पर बड़ी बहन की शादी होने वाली थी उसी मंडप में छोटी बहन की शादी उसी दूल्हे के साथ करा दी गई.वधू पक्ष को जब दुल्हन की मौत की खबर की जानकारी मिली तो उन्होंने दुल्हन का शव लेकर एक कमरे में रख दिया. इसके बाद छोटी बहन से शादी तय होने के कारण सभी शादी की तैयारी में फिर से जुट गए. जानकारी के अनुसार विवाह समारोह पूरी तरह से संपन्न होने के बाद शव को कमरे से निकाला गया और अंतिम संस्कार कर दिया गया. पता चला है कि अंतिम संस्कार के दौरान वर पक्ष के लोग भी वहीं मौजूद रहे और अंतिम संस्कार के रस्मो रिवाज में भी शामिल हुए।

राजकीय डिग्री कॉलेजों में नियुक्ति का मामलाः प्रवक्ता अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग जून में

अलीगढ़। प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों में अलग–अलग विषयों में खाली प्रवक्ता के पद जून महीने के अंत तक भर जाएंगे। इसके मद्देनजर उच्च शिक्षा निदेशालय ने चयनितों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौजूदा समय चयनितों का डाटा एनआइसी के सर्वर में फीड करने की प्रक्रिया चल रही है। चयनितों का नाम, मोबाइल नंबर, कॉलेज के नाम, आरक्षण आदि फीड करने के बाद जून के प्रथम सप्ताह में काउंसिलिंग का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। अनलाइन काउंसिलिंग पूरी होने के सप्ताहभर के अंदर संबंधित कलेजों में चयनितों को नियुक्ति देने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग ने सीधी भर्ती के तहत २०१७ में राजकीय डिग्री कालेजों के लिए विभिन्न विषयों में प्रवक्ताओं की ७१२ पद के लिए आवेदन लिया था।

कक्षा १ से ८ तक स्तर तक के मदरसों में ऑनलाइन पढ़ाई की दे दी अनुमति

अलीगढ़। मदरसा शिक्षा परिषद ने प्रदेश के सभी तहतानिया और फकनिया स्तर के मदरसों में अनलाइन पढ़ाई की अनुमति दे दी है। हालांकि सेकेंडरी सीनियर सेकेंडरी कामिल एवं फाजिल की परीक्षा पर अभी निर्णय नहीं लिया जा सकता है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए मदरसों को ३० मई तक बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। रमजान में दीर्घ कालीन अवकाश में मदरसों में अनलाइन पढ़ाई भी नहीं हो रही थी। मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने बताया कि मदरसा प्रबंधन अपनी सुविधा के मुताबिक पठन–पाठन की व्यवस्था करेंगे। बाकी को लेकर अभी निर्णय नहीं लिया गया है।

पान मसाला, ईंट भट्ठों पर लग सकता है अतिरिक्त जीएसटी

अलीगढ़। सरकार राजस्व में बढ़ोतरी करने के लिए पान मसाला, गुटखा और ईंट भट्ठों पर अतिरिक्त जीएसटी लगाने पर विचार कर रही है। सात मंत्रियों का समूह आकलन रिपोर्ट तैयार कर रहा है। अतिरिक्त शुल्क की वसूली विनिर्माण क्षमता के आधार पर होगी। मंत्री समूह छह महीने में अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंपेगा।ओडिशा के वित्तमंत्री निरंजन पुजारी की अगुवाई में समिति बनाई गई है। शुरूआती आकलन के मुताबिक, जीएसटी लेवी की वसूली उत्पादन स्तर पर की जाएगी और इकाइयों को ही इसका भुगतान करना होगा। गौरतलब है कि अभी नुकसानदेह और लग्जरी उत्पादों जैसे तंबाकू, सिगरेट और महंगी गाड़ियों पर जीएसटी के अलावा सेस भी वसूला जाता है। समिति गुटखा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले मेंथा तेल पर भी अतिरिक्त कर वसूली पर मंथन करेगी। यह कदम पान मसाला जैसे उत्पादों पर जीएसटी चोरी की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने के लिए उठाया जाएगा।

१२ बंदी ६० दिवसीय अंतरिम जमानत पर रिहा

अलीगढ़। १२ बंदी ६० दिवसीय अंतरिम जमानत पर जिला कारागार से रिहा कर दिए गए। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला जज विवेक संगल के दिशा निर्देश में नैंसी, अपर सिविल जज अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अलीगढ़ में १२ बंदी को अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया। यह जानकारी प्राधिकरण के मुख्य लिपिक सोहनलाल ने दी।

अद्भुत गुफा : बेताल गुफा

अमरेन्द्र सहाय अमर

किसी जमाने में गुफा–सुरंगों का निर्माण आपाताकालीन निकासी व एकांत आवास के लिए किया जाता था. भारतीय उपमहाद्वीप में ऐसी कई गुप्त गुफाओं के होने के प्रमाण मिलते हैं, जिनका निर्माण कभी इसकी दीवारों और छत से घी टपकता था अपनी पहाड़ी खूबसूरती के लिए विश्व विख्यात हिमाचल प्रदेश अपने अंदर कई रहस्य छुपाए बैठा है. इस बर्फीले क्षेत्र में कई ऐसे प्राचीन स्थल मौजूद हैं जिनका संबंध प्राचीन काल से सोचने पर मजबूर कर सकता है. इस अद्भुत घटना की पुष्टि खुद यहां के स्थानीय लोग करते हैं. दीवारों से टपकते देसी घी की असल सच्चाई क्या है इसका कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता. स्थानीय लोगों का मानना है की यह गुफा चली है, जिसके बहते पानी की आवाज संगीत के जैसे सुनाई पड़ती है. इस रहस्यमय गुफा को लेकर कई कहानियां जुड़ी हुई हैं. कहा जाता है जब भी कभी यहां गांव में किसी के घर शादी–ब्याह होता था, तो परिवार का कोई बड़ा कि किसी ग्वाले की वजह से दीवारों से घी टपकना बंद हो गया. कहा जाता है कि एक दिन ग्वाला इस गुफा में आया और टपकते घी को देख उसके मन में लालच आ गया , वो रोटी के साथ घी लगाकर खाने लगा.

राजा–महाराजाओं द्वारा किया गया. इन सुरंगों का इस्तेमाम युद्ध की स्थिति में राजपरिवार को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिये किया जाता था. जिसकी जानकारी पूर्णता गुप्त रखी जाती थी. इसके अलावा कुछ ऐसी भी गुफाओं के बारे में पता चलता है जो अपनी दैवीय शक्तियों का दावा करती हैं. ऐसा माना जाता है कि ये गुफाएं गुप्त सिद्धियां प्राप्त करने का स्थान हुआ करती थीं. हिमाचल प्रदेश स्थित एक ऐसी गुप्त गुफा है जिसके बारे में कहा जाता है बताया जाता है. यहां प्रागैतिहासिक काल के कई मंदिरों व गुफाओ को खोजा गया है, जिनमें से कुछ हमारे सामने मात्र रहस्य के रूप में उपस्थित हैं. इन्हीं में से एक है हिमाचल की पहाड़ियों में स्थित श्बेताल गुफाश. जिसकी तिलस्मी दीवारें आज भी बनी हुईं हैं रहस्यमय हिमाचल प्रदेश मंडी जिले के सुंदरनगर में स्थित है बेताल गुफा जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां कभी दीवारों से शुद्ध देसी घी टपकता था. इस प्राचीन गुफा से जुड़ा यह तथ्य किसी को भी चमत्कारी शक्तियों से भरी है. जहां कभी इंसानों की हर मनोकामनाएं पूरी हुआ करती थीं. कहा जाता है जो भी गांववाला इस गुफा से बर्तन या घी मांगता था उसकी इच्छाएं जरूर पूरी हुआ करती थीं. शायद इसलिए इन दीवारों से घी टपकता रहता था. इस चमत्कारी गुफा की लंबाई ४० से ५० मीटर और चौड़ाई १५ फीट बताई जाती है. गुफा में हिन्दू धर्म से जुड़ी कई प्रतिमाएं हैं, जिनकी पूजा यहां के स्थानीय लोग करते हैं. इस गुफा के अंदर एक जल स्रोत होने की बात भी पता सदस्य थाल सजाकर गुफा के बाहर सिंदूर से निमंत्रण लिख कर आता था. जिसके बाद वो गुफा से शादी के बर्तन मांगता था. अगली सुबह उसे गुफा के बाहर मांगे गए बर्तन मिलते थे. समारोह के खत्म होने के पश्चात व्यक्ति बर्तन वापस गुफा के पास रख देता था. जिसके बाद वो बर्तन अपने आप अश्य हो जाया करते थे .लोगों की मानें तो एक बार किसी ने बर्तन लेकर गुफा को वापस नहीं किये, जिसके बाद यहां से बर्तन मिलने बन्द हो गए. लोगों का यह भी कहना है जिसके बाद से गुफा का यह भी चमत्कार हमेशा के लिए बंद हो गया. भले ही अब गुफा के इन चमत्कारों का कोई महत्व नहीं रहा लेकिन यहां के लोगों की आस्था अब भी बरकरार है. गांववाले यहां नियमित रूप से पूजा–अर्चना करते हैं. इस आस्था के साथ कि यहां स्थित दैवीय शक्ति लोगों की पुकार सुनती है. इसलिए जब भी कोई गांव का सदस्य बीमार पड़ता है तो लोग गुफा के पास जाकर पूजा–पाठ करते हैं।

दर्जनों ग्रामों में उ.प्र. बनवासी सेवा संस्थान ने बांटे मास्क व साबुन

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। पलियाकलां क्षेत्र की प्रमुख सामाजिक संस्था उत्तर प्रदेश वनवासी सेवा संस्थान ने इंपैक्ट संस्था के कार्यकर्ताओं के सहयोग से क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों में अभियान चलाकर बच्चों ,महिलाओं, बुजुर्गों एवं अन्य ग्रामीणों को बड़े स्तर पर मास्क व साबुन आदि वितरित कर कोरौना से बचने के तरीके समझाए। ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व भी क्षेत्र में जब भी भीषण बाढ़, भयंकर आगजनी एवं इसी तरह की अन्य विपदाएं आईं। यह संस्थाएं बिना किसी तामझाम या प्रचार के समाज सेवा में लगी देखी जाती रही हैं । इन दिनों जब कोरोना गांवों तक फैल चुका है ,ऐसे में इन समाजसेवी संस्थाओं ने अपना धर्म समझकर जिले के दर्जनों ग्रामों में पहुंच लोगों को कोरोना से बचने के तरीके समझा कर मास्क और साबुन वितरित किए। इस मौके पर उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान के संचालक अजय कुमार चौबे, इंपैक्ट गुरु ग्राम संस्था के परियोजना अधिकारी के राव आस्कर अली, पर्यवेक्षक अनिल कुमार ,गुलजार वी , दुर्गेश ठाकुर, आसिफ अली सहित संबंधित ग्रामों के ग्राम प्रधान व बीडीसी आदि मौजूद रहे।

दवा वितरण अभियान की शुरुआत

लखीमपुर–खीरी। सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह व सचिव रीतू सिंह की निगरानी में कोरोना महामारी से बचाव के लिए निःशुल्क दवा वितरण अभियान की शुरुआत की गयी है। राजधानी से शुरू हुआ यह महा अभियान जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों में संचालित होगा। इस अभियान के तहत कोरोना से बचाव सम्बंधित दवाओं की किट व काढ़ा हर घर में दिया जा रहा है। साथ ही कोरोना महामारी से बचाव व कोविड १९ की गाइडलाइंस से जुड़ी चीजों का स्टीकर भी लगाया जा रहा ताकि लोग उसको पढ़कर जागरूक हो सके। संस्था द्वारा चलाये जा रहे इस अभियान से लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे है। महामारी के इस दौर में घरों में बंद लोग बातौर वलेंटियर एसडब्ल्यूएफ के साथ जुड़कर परिवार का भरण पोषण कर रहे है। संस्था के अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान भी उनकी टीम लगातार क्षेत्र में काम कर रही है। खुद की परवाह किये बिना निराश्रित समाज की जिस जिम्मेदारी के लिए संस्था का गठन किया गया था उसी दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। भोजन, राशन, कपड़ा, दवा सहित ब्लड आदि की व्यवस्था भी जरूरत के हिसाब से करायी जाती है। लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी सहित लखीमपुर व सीतापुर आदि जिलों में अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के खिलाफ पत्रकार लामबंद

लखीमपुर खीरी। थाना पलिया के प्रभारी सुनील कुमार सिंह , दरोगा अनिल कुमार राजपूत के रवैये को लेकर पत्रकार आक्रोशित है। पलिया के पत्रकार जय कुमार गुप्ता के पुत्र राज गुप्ता की पड़ोस के ही युवक से कहा सुनी हो गयी थी। दोनों ओर से तहरीर दी गयी थी। पुलिस ने राज के ऊपर लूट की झूंठी धारा लगा दी और सुबह ४ बजे एफआईआर लिख दी। राज की गिरफ्तारी भी कर ली। दरोगा अनिल राजपूत ने राज को डंडा भी मारा और पत्रकार जय गुप्ता से भी अभद्रता की। राज की जमानत सीजेएम कोर्ट से खारिज हो गयी। इसी मसले पर पत्रकार और उसके परिवार के उत्पीड़न के खिलाफ पत्रकारों ने बैठक की और थाना पुलिस के बायकॉट का निर्णय लिया। जय कुमार गुप्ता ने बताया कि उनके सामने दरोगा ने उनके बेटे के डंडा मारा।

महिला को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र के रामापुर चौकी अन्तर्गत मुस्लिम नगर में दिनांक २६ मई को शहाबुद्दीन पुत्र याकूब अली की बहू आफरीन पर तमंचे से फायर की गयीं थी। वादी की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजींत कर लिया था आज अभियुक्त सलीम निवासी मुस्लिम नगर को मय तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बांग्लादेश ने श्रीलंका पर ढाया कहर, १०३ रनों से हराकर जीती ODI सीरीज

नई दिल्ली। दुनिया में कोरोना के कोहराम के बीच बांग्लादेश किक्रेट टीम ने भी श्रीलंका किक्रेट टीम पर कहर ढहाते हुए वनडे सीरीज पर कब्जा कर लिया है.

ढाका में खेले गए दूसरे वनडे (**Bangladesh vs Sri Lanka] 2nd ODI**) में बांग्लादेश टीम ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हरा दिया. हालांकि बांग्लादेश को ये जीत डकवर्थ लुइस नियम के तहत मिली है. इस मैच में बांग्लादेश ने श्रीलंका टीम को १०३ रनों से हराकर सीरीज में २–० की बढ़त हासिल कर ली है.टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ४८.१ ओवर में २४६ रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पारी के ३६वें ओवर के दौरान बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा, जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मैच ४० ओवर का कर दिया गया. ऐसे में श्रीलंका की टीम ४० ओवर में नौ विकेट पर १४१ रन ही बना सकी. बांग्लादेश की ओर से मुशफिकुर ने अपने कॅरियर का आठवां शतक बनाया. मुशफिकुर ने १२७ गेंदों का सामना करते हुए १० चौकों की सहायता से १२५ रन की पारी खेली. वहीं बांग्लादेश के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया. मुस्ताफिजुर रहमान ने सिर्फ एक रन देकर ३ विकेट झटके तो मेहदी हसन ने २८ रन देकर ३ विकेट अपने नाम किए. वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम का कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका और श्रीलंका के लगातार विकेट गिरते रहे।

UAE में आईपीएल २०२१ के बाकी मैच नहीं खेलेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी! कहीं कम न हो जाएं चौकें-छक्कों का रोमांच

नई दिल्ली। आईपीएल २०२१ (आईपीएल २०२१) को लेकर क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर नहीं है. खबरों के अनुसार, आईपीएल के बचे हुए मैच सितंबर में यूएई में होंगे तो सही, लेकिन उसमें कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का खेलना मुश्किल है. इसकी वजह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को टी२० का शेड्यूल अभी काफी व्यस्त है. टीम को पहले वेस्टइंडीज के दौरे पर जाना है, जहां वो ५ मैचों की टी२० सीरीज और ३ मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी. हालांकि इस दौरे से भी कई अस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिया है. इनमें पैट कमिंस, डेविड वॉर्नर और डेनियल सैम्स शामिल हैं.

वर्ल्ड कप से पहले ३ से ४ सीरीज खेलनी हैं. ऐसे में उनका प्ल्स् के लिए **UAE** में प्रदर्शन कर पाना मुष्किल है. आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की धाक रहती है. ऑस्ट्रेलियाई टीम के हर खिलाड़ी अपनी आईपीएल टीम में हमेशा दमदार प्रदर्शन करते आए है. ऐसे में उनके न होने से आईपीएल टीमों को तो फर्क पड़ेगा ही साथ ही क्रिकेट प्रेमियों को भी निराश होना पड़ेगा. पिछले साल की तरह इस बार भी आईपीएल के मैच यूएई में कराए जाएंगे. पहले ये खबर थी कि आईपीएल के मैच इंग्लैंड में कराए जाएंगे, लेकिन अब **BCCI** ने स्पष्ट कर दिया है कि आईपीएल २०२१ के बचे हुए मैच यूएई में होंगे और फाइनल १० अक्टूबर को होगा. वेस्टइंडीज में ५ मैचों की टी२० और ३ मैचों की वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलियाई टीम ऑस्ट्रेलियाई टीम वेस्टइंडीज दौरे के बाद बांग्लादेश जा सकती है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन इस बात की जानकारी देते हुए कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम उनके यहां अगस्त में पांच मैचों की टी२० सीरीज खेलेगी. ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का आईपीएल में खेलना मुश्किल ही लग रहा है. कोरोना महामारी के चलते सभी टीमों के खिलाड़ियों को बायो–बबल में रहना होता है जिसके कारण खिलाड़ियों को मानसिक दबाव से गुजरना पड़ रहा है. ऑस्ट्रेलियाई के डेनियल सैम्स ने तो मानसिक दबाव के कारण ही अपना वेस्टइंडीज दौरे से वापस ले लिया था. आपको बता दें कि बीसीसीआई ने आईपीएल २०२१ के बचे हुए मैचों को फिर से कराने का फैसला किया है. अब ये बचे हुए मैच यूएई में कराएंगे जाएंगे।

फिर बिगड़ी सपा सांसद आजम खां की तबीयत

लखनऊ। लखनऊ के मेदांता हस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के सांसद व उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की स्थिति गंभीर है। कोरोना संक्रमित होने के बाद नौ मई से इसी अस्पताल में भर्ती आजम खां की तबीयत बुधवार को एक बार फिर से बिगड़ गई है। उनको दोबारा आइसीयू में शिफ्ट करना पड़ गया है। उन्हें अब दो के बजाय पांच लीटर ऑक्सीजन पर रखा गया है। डॉक्टरों के अनुसार फेफड़ों में फाइब्रोसिस और चेस्ट इंफेक्शन बाद उन्हें ज्यादा आक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ रही है। वहीं, आजम के बेटे अब्दुल्ला की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।मेदांता हस्पिटल की ओर से बुधवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, सपा सांसद आजम खां (७२) के फेफड़ों में कोविड के बाद फाइब्रोसिस और कैविटी के साथ चेस्ट इंफेक्शन पाया गया है। क्रिटिकल केयर की एक्सपर्ट टीम उनका इलाज कर रही है। उनको तीन से पांच लीटर ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है और उन्हें क्रिटिकल केयर टीम

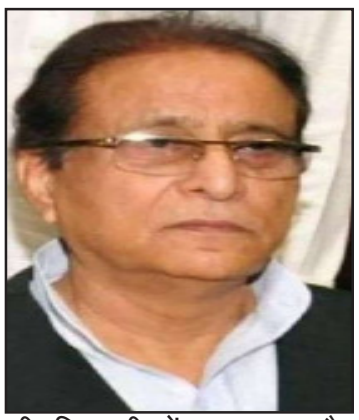

की निगरानी में रखा गया है। उनकी तबीयत अभी चिंताजनक, लेकिन नियंत्रण में है। वहीं आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम की स्थिति संतोषजनक है। उन्हें भी डॉक्टरों की सघन निगरानी में रखा गया है। मेदांता लखनऊ की क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट टीम उनके बेहतर इलाज के लिए लगातार प्रयत्नशील है।बता दें कि रामपुर से सपा सांसद आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला को पिछली नौ मई को कोविड–१६ संक्रमण के कारण लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला पिछले १४ महीने से सीतापुर जेल में बंद हैं। सीतापुर जिला कारागार प्रशासन के अनुसार २६ अप्रैल को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एंटीजन जांच की थी, जिसमें दोनों पॉजिटिव मिले। फिर इनका और इनके बेटे का सैंपल आरटी–पीसीआर जांच को भेजा गया। एक मई को आई रिपोर्ट में पिता–पुत्र कोरोना संक्रमित मिले है। ऑक्सीजन लेवल कम होने के बाद आजम खां को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया था।

तहरीर देकर पति के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग

कृष्ण कुमार शुक्ला

गोला गोकरन नाथ खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम छतौनीयां निवासी एक विवाहित महिला ने गोला पुलिस को तहरीर देकर पति के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। महिला का आरोप है कि विगत दिनों विवाह की पहली वर्षगांठ पर ही उसके पति और ननद ने उसे जान से मारने का प्रयास किया था किसी तरह बह दोनों लोगों के चुंगल से बच कर निकल आई। महिला ने प्रताड़ना का कारण दहेज में कमी बताया है। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम छतौनीयां निवासी कीर्ति वर्मा पुत्री सरवन वर्मा ने गोला पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उसका विवाह एक वर्ष पूर्व ग्राम गोपालापुर चौकी अलीगंज थाना गोला निवासी मनजीत बर्मा पुत्र रामचंद्र वर्मा के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ हुआ था। विवाहिता का कहना है कि उसके पिता ने पर्याप्त दान दहेज देकर उसका विवाह किया था। महिला के एक पुत्री का जन्म हुआ था जो कि उचित इलाज ना होने के कारण मर गई थी। महिला का आरोप है कि मई माह में ही उसके विवाह की पहली वर्षगांठ की रात ही उसके पति मनजीत और उसकी बहन सोनम ने उसके साथ मारपीट की और तेल डालकर जलाने का प्रयास किया। किसी तरीके से वह उनके चुंगल से छूट कर घर से बाहर निकल गई अऔर ग्रामीणों की शरण ली। पीड़ित महिला ने १०० नंबर पर फोन किया मौके पर पहुंची पुलिस उसके पति को पकड़ ले गई थी लेकिन बाद में छोड़ दिया। इसी प्रकार वह बच कर किसी तरीके से अपने मायके आ गई। तभी से अपने मायके में निवास कर रही है। पीड़ित महिला ने पुलिस और ससुराल जनों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बैलों से गन्ने की जुताई करने से घास फूस नष्ट हो जाता–विवेक गुप्ता

लखीमपुर–खीरीध्पलिया कलां। खेतों में खड़े गन्ने की बैलों से इन दिनों गुड़ाई करने के किसान कई लाभ बता रहे हैं ।खास बात यह है कि एक तो इससे गन्ना कम टूटता और उखड़ता है ,दूसरे गांव के गरीब मजदूरों को काम भी मिल जाता है। क्षेत्र के ग्राम देवीपुर निवासी जागरूक ंषक हरजिंदर सिंह कहते हैं कि पहले वे ट्रैक्टर से गन्ने की गुड़ाई करते थे ।इससे बड़ी मात्रा में गन्ना उखड़कर तथा कुचलकर बर्बाद हो जाता था। इसीलिए उन्होंने अब इसका पैटर्न बदल दिया है ।अब वे बैलों से गन्ने की जुताई करने लगे हैं। जबकि पलिया निवासी ंषक विवेक गुप्ता उर्फ विक्की का कथन है कि बैलों से गन्ने की इन दिनों जुताई करने से घास फूस नष्ट हो जाता है, अन्यथा यह बरसात में बढ़कर गन्ने को पनपने नहीं देता है। क्षेत्रीय ग्राम नौरंगपुर निवासी बलराज सिंह कहते हैं कि इससे गरीब मजदूरों का भी भला हो जाता है । इस कोरोना काल में खाली बैठे मजदूरों को काम मिल गया है। बड़ागांव निवासी प्रेम प्रकाश मौर्य कहते हैं कि इस समय गन्ने की मूढ़ पर जो मिट्टी चढ़ जाती है । उससे वह मजबूत हो नये कल्ले तो निकालती ही है साथ ही बरसात में तेज हवा चलने पर गन्ने को गिरने से भी बचाती है। क्षेत्रीय ग्राम अतरिया निवासी अती उल्ला खां भी गर्मी में गन्ने की गुड़ाई के कई लाभ बताते हैं।

जीएसटी के फर्जी असिस्टेंट कमिश्नर समेत दो गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाने की पुलिस टीम ने वाणिज्यकर विभाग के एक फर्जी असिस्टेंट कमिश्नर को गिरफ्तार किया है। साथ में उसके चालक को भी अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने बताया कि ये फर्जी अधिकारी कोरोना कर्फ्यू के दौरान गाड़ी में नीली बत्ती लगा छापेमारी करता था और दुकानदारों पर दबाव बनाकर उनको ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस के मुताबिक प्रयागराज में रहने वाले सिंचाई विभाग में कार्यरत बाबू का बेटा सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा था लेकिन जैसे ही कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आई तो वह अपने एक दोस्त के साथ मिलकर वाणिज्यकर का फर्जी अधिकारी बन गया। उसने दोस्त को ड्राइवर बना दिया और अपनी गाड़ी में भारत सरकार लिखवाकर नीली बत्ती लगा छापेमारी शुरू कर दी। इस दौरान वह मेडिकल की दुकानों में छापेमारी करता था फिर

दबाव बनाकर पैसे ऐंठता था। वाहन चेकिंग में चढ़ा पुलिस के हत्थे गुरुवार को मामले का खुलासा करते वक्त डीसीपी क्राइम ने बताया कि पीजीआई थाने में तैनात दरोगा अजीत कुमार सिंह अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, तभी वृन्दावन कालोनी स्थित आकाश इन्क्लेव की ओर से एक नीली बत्ती लगी स्विफ्ट डिजायर गाड़ी आती दिखी। गाड़ी में भारत सरकार भी लिखा था और अशोक स्तम्भ का मोनोग्राम लगा था। पुलिस ने गाड़ी रुकवाई तो पीछे बैठे व्यक्ति ने अपने आपको वाणिज्यकर विभाग का असिस्टेंट कमिश्नर बताया। पुलिस को उसकी बातों पर शक हुआ तो कड़ाई से पूछताछ शुरू कर दी। तभी पता चला कि यह युवक फर्जी वाणिज्यकर अधिकारी बनकर चेकिंग करता था। इंस्पेक्टर ने बताया कि ये लोग महामारी के दौरान मेडिकल की दुकानों में छापेमारी करते थे। इस दौरान दवाएं, इंजेक्शन और मेडिकल उपकरण चेक करते थे फिर कमियां निकालकर दुकान बंद करने की धमकी देते थे। यही नहीं पैसे वसूलने के साथ–साथ दवाएं, इंजेक्शन, ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर कालाबाजारी भी करने लगे थे। पुलिस के मुताबिक राजधानी लखनऊ की कई दुकानों में इन लोगों ने छापेमारी कर वसूली की है। पीजीआई थाने के इंस्पेक्टर आनंद प्रकाश शुक्ल के मुताबिक बताया कि फर्जी वाणिज्यिकर अधिकारी बनकर ठगी करने वाला रितेश उपाध्याय मूल रूप से सिविल लाइन प्रयागराज का रहने वाला है और वर्तमान समय में वृन्दावन स्थित आकाश इन्क्लेव में रहता था। इंस्पेक्टर के मुताबिक उसके पिता विनय उपाध्याय सिंचाई विभाग में बाबू हैं और रितेश सिविल सर्विसेज की तैयारी करता था।

लखनऊ में मूर्ति रखने को लेकर दो पक्षों में हंगामा

लखनऊ। पुराना हैदराबाद कालोनी के काला काकर मोहल्ले में बुधवार सुबह मूर्ति स्थापना को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए। एक पक्ष के लोग वहां मूर्ति की स्थापना कर रहे थें। वहीं दूसरे पक्ष के लोग इसका विरोध ा कर रहे थे। दोनों पक्षों ने जमकर हंगामा–बवाल किया। इस दौरान धक्कामुक्की और नारेबाजी भी जमकर हुई। बवाल की सूचना पर पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। पुलिस ने लाठी पटककर हंगामा कर रहे लोगों को भगा दिया। बवाल की आशंका से मौके पर पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।इंस्पेक्टर महानगर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह काला काकर में नाले के पास सुमित कश्यप और उनके साथी नीम के पेड़ के पास चबूतरा बनाकर मूर्ति स्थापित कर रहे थें। इस पर मोहल्ले में रहने वाले असलम, सब्बू, जमीतुल समेत अन्य लोगों ने विरोध किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शोर सुनकर सुमित पक्ष से करीब ७०–८० लोग और दूसरे पक्ष से भी करीब इतने ही लोग इकट्ठे हो गए। वह हंगामा और नारेबाजी कर रहे थे। देखते–देखते दोनों पक्षों में धक्का मुक्की शुरू हो गई। बवाल की सूचना पर इंस्पेक्टर महानगर, एसीपी महानगर समेत भारी पुलिस बल और नगर निगम से एरिया सुपरवाइजर करन पहुंचे।पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया पर वह उग्र होते जा रहे थे। इसके बाद पीएसी बुलाई गई। पुलिस और पीएसी के जवानों ने लाठी पटककर भीड़ को तितर बितर किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि लोगों ने नाले के पास अवैध रूप से मकान बना रखे हैं। सुमित का कहना है कि नाले के पास नीम के पेड़ के नीचे शंकर भगवान की मूर्ति रखी थी। उसे किसी ने हटा दी। इस कारण वह चबूतरे का निर्माण कर वहां पर मूर्ति स्थापित कर रहे थे। दूसरा पक्ष इसका विरोध कर रहा था। प्राथमिक जांच में पता चला कि वहां पहले कोई मूर्ति नहीं थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। एहतियातन मौके पर पुलिस और पीएसी को तैनात कर दिया गया है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डराएगी 'भूत पुलिस', कॉमेडी के साथ होगा डर भरा रोमांच

मुंबई। कोरोना की दूसरी लहर के चलते सिनेमाघरों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है इस महामारी के चलते कई बड़ी फिल्में अब ओटीटी की तरफ चल दी हैं. ऐसे अब फिल्म सैफ अली खान

की 'भूत पुलिस' भी इसमें शामिल हो गई हैं. इस फिल्म में सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडीज और अली फजल जैसे स्टार फिल्म में कमेडी के साथ डराते नजर आएंगे. आखिरकार इस 'भूत पुलिस' को ओटीटी प्लेटफर्म पर ही रिलीज किया जाएगा. कमेडी हरर फिल्म का निर्देशन पवन पलानी ने किया है. फिल्म के मेकर्स का कहना है कि इस समय कोरोना से जो हालात चल रहे है, ऐसे में सिनेमाघरों में इस फिल्म को रिलीज नहीं किया जा सकता है. इसलिए अब इस फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने सिनेमाघरों में इस फिल्म को रिलीज करने का अपना विचार त्याग दिया है. रमेश तौरानी का कहना है कि इस समय यह फिल्म सिनेमाघरों में ज्यादा कमाई नहीं कर पाएगी, इसलिए अब इस फल्म को ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हटस्टार पर रिलीज करने का मन बना लिया है. बता दें कि पहले यह फिल्म 'भूत पुलिस' १० सितंबर को रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब ये ओटीटी प्लेटफर्म पर लोगों को डराएगी

संजय लीला भंसाली की फिल्म में डाकू 'रूपमती' के किरदार में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने फिल्म इंडस्ट्री को भी बहुत नुकसान पहुंचाया है. इस महामारी के चलते फिल्म इंडस्ट्री का काम ठप हो गया है. फिल्म नहीं बनने से लोगों का भी मनोरंजन खत्म हो गया है. लेकिन इन सबके बीच एक अच्छी खबर ये भी है कि संजय लीला भंसाली एक फिल्म बनाने जा रहे है. जिसमें वे दीपिका पादुकोण को लीड रोल में लेना चाहते है. वैसे भी संजय लीला भंसाली और दीपिका पादुकोण की जोड़ी को साथ देखने के लिए उनके फैंस काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फैंस का ये इंतजार जल्द ही पूरा होने वाला है. एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संजय लीला बंसाली फिल्म 'बैजू बावरा' में दीपिका पादुकोण को लेना चाहते हैं और दीपिका को डाकू रूपमती का भूमिका देना चाहते हैं. सूत्रों की माने तो इस फिल्म के लिए दीपिका और संजय कई मीटिंग कर चुके हैं. हालांकि अभी तक

इस बारे में भंसाली और दीपिका की ओर से इस बारे में कोई स्टेटमेंट नहीं दिया गया है. आपको बता दें कि बॉलीवुड के मषहूर निर्देषक संजय लीला भंसाली और खूबसूरत एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण (क्ममचपां च्कनावदम) की जोड़ी ने फिल्म इंडस्ट्री को 'रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी ब्लकबस्टर फिल्में दी हैं. ऐसे में सभी को एक बार फिर से इस जोड़ी की ब्लॉकबस्टर फिल्म का इंतजार हैं.

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक